आर. एन. आई. नं. UPHIN/2010/32566 डाक. पंजीयन. संख्या– SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक
हर ख़बर पर पैनी नज़र

वर्ष : 16 अंक : 38 लखनऊ, बुद्धवार 14 जनवरी 2026 से 20 जनवरी 2026 तक पृष्ठ–8 मूल्य : एक रुपया

'प्रगति' नए भारत की कार्यसंस्कृति का सशक्त मॉडल, उत्तर प्रदेश बना इंफ्रास्ट्रक्चर ग्रोथ इंजन : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि प्रो–एक्टिव गवर्नेंस एंड टाइमली इम्प्लीमेंटेशन (प्रगति) केवल बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स की समीक्षा का मंच नहीं, बल्कि नए भारत की नई कार्यसंस्कृति और परिणामोन्मुख शासन का सशक्त उदाहरण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इंटेंट, टेक्नोल जी और अकाउंटेबिलिटी के समन्वय से शासन में ठोस और समयबद्ध परिणाम सुनिश्चित हो रहे हैं। मंगलवार को आयोजित एक विशेष प्रेस वार्ता में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रगति उस प्रशासनिक मॉडल का विस्तार है, जिसकी नींव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए रखी थी और वर्ष २०१४ के बाद इसे राष्ट्रीय स्तर पर मजबूती दी गई। उन्होंने कहा कि डिजिटल गवर्नेंस और कोअ परेटिव फेडरलिज्म को सशक्त बनाते हुए प्रगति ने जटिल परियोजनाओं और प्रशासनिक अड़चनों के समाधान को सरल और तेज बनाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रगति केवल एक रिव्यू मैकेनिज्म नहीं, बल्कि एक व्यापक गवर्नेंस रिफॉर्म है, जिसने शासन को फाइल–केंद्रित संसेंति से निकालकर फील्ड–आधारित परिणामों की दिशा में अग्रसर किया है। इसके माध्यम से निर्णय प्रक्रिया में तेजी आई है, समय और लागत की बर्बादी रुकी है और केंद्र व राज्य सरकारों के बीच बेहतर समन्वय के साथ स्पष्ट जवाबदेही सुनिश्चित हुई है।

उन्होंने बताया कि प्रगति मॉडल की अवधारणा वर्ष २००३ में गुजरात में 'स्वागत' (स्टेट वाइड अटेंशन अ न गवर्नेंस बाई एप्लिकेशन) के रूप में शुरू हुई थी, जिसका उद्देश्य

नागरिक शिकायतों के त्वरित निस्तारण में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना था। यही मॉडल आगे चलकर प्रगति के राष्ट्रीय स्वरूप के रूप में विकसित हुआ। राष्ट्रीय स्तर पर प्रगति के प्रभाव का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इसके माध्यम से अब तक ८६ लाख करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं को गति मिली है। इनमें ३७७ प्रमुख परियोजनाओं की प्रत्यक्ष समीक्षा प्रधानमंत्री द्वारा की जाती है, जबकि ३१६२ में से २६५८ मुद्दों का समाधान किया जा चुका है। उत्तर प्रदेश के संदर्भ में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रगति म डल राज्य के लिए एक गेम–चेंजर साबित हुआ है। आज उत्तर प्रदेश देश के प्रमुख इंफ्रास्ट्रक्चर ग्रोथ इंजन के रूप में उभर रहा है। एक्सप्रेसवे नेटवर्क, देश का सबसे बड़ा रेलवे नेटवर्क, सर्वाधिक शहरों में मेट्रो सेवाएं, एयर कनेक्टिविटी, देश की पहली रैपिड रेल, अंतर्देशीय जलमार्ग और रोपवे परियोजनाओं को समयबद्ध ढंग से आगे बढ़ाने में प्रगति की अहम भूमिका रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्तमान में उत्तर प्रदेश के पास १०.४८ लाख करोड़ रुपये की लागत की ३३० इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं का पोर्टफोलियो है, जो देश में सबसे बड़ा है। इनमें से २.३७ लाख करोड़ रुपये की १२८ परियोजनाएं (करीब ३६ प्रतिशत) पूरी होकर कमीशन हो चुकी हैं, जबकि ८.११ लाख करोड़ रुपये की २०२ परियोजनाएं निर्धारित समय–सीमा के भीतर प्रगति पर हैं। सरकार की प्राथमिकता गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करते हुए सभी प्रशासनिक और तकनीकी अड़चनों का समाधान करना है, ताकि परियोजनाएं तय समय में धरातल पर उतर सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रगति पोर्टल के माध्यम से प्रदेश में इंटर–एजेंसी बाधाओं का प्रभावी समाधान हुआ है। राजस्व, वन, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, नगर विकास, पंचायती राज सहित सभी संबंधित विभाग एक ही मंच पर समन्वय के साथ निर्णय ले रहे हैं, जिससे हाईवे, रेलवे, पावर और टेलीक म जैसी परियोजनाओं में तेजी आई है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में प्रगति के तहत ५१५ मुद्दों में से ४६४ का समाधान किया जा चुका है, जो लगभग ६६ प्रतिशत है। वहीं, २८७ परियोजनाओं में से २७८ परियोजनाओं का समाधान सुनिश्चित किया गया है, जिसकी समाधान दर ६७ प्रतिशत है। प्रगति जैसे तकनीक–आधारित प्लेटफॉर्म के कारण उत्तर प्रदेश आज बॉटलनेक स्टेट से निकलकर ब्रेकथ्रू स्टेट में परिवर्तित हो चुका है। अब राज्य सरकार केवल फैसिलिटेटर नहीं, बल्कि एक्सेलेरेटर की भूमिका में विकास परियोजनाओं को आगे बढ़ा रही है। समयबद्ध परियोजनाएं रोजगार सृजन के साथ–साथ राज्य की आर्थिक गति को भी तेज करती हैं और इसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी विजन के प्रति प्रदेशवासियों की ओर से आभार व्यक्त किया।

सपा का भाजपा पर बड़ा हमलाः मतदाता सूची में धांधली का आरोप, फर्जी वोट बनवाने वालों पर FIR की तैयारी

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत मतदाताओं की मसौदा सूची पर एक बार फिर सवालिया निशान लगाते हुये आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मतदाता सूची की एसआईआर प्रक्रिया में धांधली करना चाहती है। उन्होने मंगलवार को जारी बयान में कहा कि भाजपा दोबारा फर्जी वोट बनाने में लगी है और लोकतांत्रिक व्यवस्था अपवित्र करने पर उतावली है। भाजपा के लोगों ने अगर वोट बनाने में हेराफेरी की तो फर्जी वोट बनवाने वालों, अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करायी जायेगी। एफआईआर का प्रारूप समाजवादी पार्टी के सभी बीएलए और बूथ प्रभारियों को भेजा जा रहा है। अखिलेश यादव ने पार्टी के प्रदेश दफ्तर में विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में आए कार्यकर्ताओं और नेताओं को संबोधित करते हुए कहा कि २०२७ में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने के लिए कार्यकर्ता एकजुट होकर घर–घर जाएं और लोगों से संपर्क कर पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों को बताएं अखिलेश यादव ने प्रदेश की सम्मानित जनता से भाजपा की साजिशों से सावधान रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता और मतदाता भाजपा

के साथ नहीं है। भाजपा भूमाफिया की भूमिका में है। प्रदेश भर में सरकारी और गरीबों की जमीनों पर भाजपाई अवैध रूप से कब्जा कर रहे हैं। भ्रष्टाचार और लूट चरम पर है। हर विभाग में भ्रष्टाचार हो रहा है। भाजपा सरकार ने भ्रष्टाचार की इन्तिहा कर दी है। २०२७ के विधानसभा चुनाव में भाजपा का पता नहीं चलेगा। अखिलेश यादव ने कहा कि मतदाता सूची के लिए किया जा रहा एस.आई.आर. ही एन.आर.सी. है। जो काम गृह मंत्रालय का था उसे भाजपा सरकार चुनाव आयोग से करा रही है। एस.आई.आर. के बाद भी मतदाता सूची में तमाम खामियाँ सामने आ रही है। मुख्यमंत्री ने खुद स्वीकार किया है कि चार करोड़ वोट कट रहे हैं। भाजपा मतदाता सूची में हेराफेरी का प्रयास कर रही है। मतदाता सूची को लेकर केन्द्रीय और राज्य निर्वाचन आयोग के आंकड़ों में भारी अंतर है। केन्द्रीय निर्वाचन आयोग के अनुसार मतदाता सूची में १२ करोड़ ५६ लाख मतदाता है वहीं राज्य निर्वाचन आयोग की मतदाता सूची में १२ करोड़ ६६ लाख मतदाता तो सिर्फ ग्रामीण क्षेत्रों में है। इसमें शहरी मतदाताओं की संख्या जोड़ने पर कुल वोटर १७ करोड़ से ज्यादा हो रहे है। आखिर ऐसा कैसे हो रहा है कि मतदाता सूची बनाने वाले बी.एल.ओ. और अधिकारी–कर्मचारी जब वही है तो मतदाताओं की संख्या का आंकड़ा अलग–अलग क्यों है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट में १५ जनवरी को मकर संक्रांति का अवकाश, १४ जनवरी को रहेगा कार्यदिवस

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट और उसकी लखनऊ खंडपीठ में १५ जनवरी २०२६ (गुरुवार) को मकर संक्रांति के अवसर पर सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। यह निर्णय उत्तर प्रदेश सरकार की अधिसूचना के क्रम में लिया गया है। हालांकि, इसके स्थान पर १४ जनवरी २०२६ (बुधवार) को इलाहाबाद हाईकोर्ट तथा लखनऊ खंडपीठ में सामान्य रूप से न्यायिक कार्य होंगे। यानी १४ जनवरी को अदालतें खुली रहेंगी और सभी न्यायिक व प्रशासनिक कार्य पूर्ववत संपन्न किए जाएंगे। हाईकोर्ट प्रशासन द्वारा जारी

आधिकारिक सूचना के अनुसार, यह व्यवस्था इलाहाबाद मुख्य पीठ और लखनऊ खंडपीठोंदोनों पर समान रूप से लागू होगी।

सम्पादकीय

चीनी कंपनियों को बाजार देने से पहले देश को भरोसे में लेना क्यों जरूरी है?

हालांकि पुष्टि नहीं हुई है, मगर मीडिया में छपी कई ऐसी रिपोर्टों से देश में व्यग्रता देखी गई है कि केंद्र भारतीय बाजार को चीनी कंपनियों के लिए खोलने जा रहा है। कुछ खबरों के मुताबिक जिन क्षेत्रों को खोला जाएगा, उनमें सरकारी ठेके भी हैं। सरकारी क्षेत्र के ठेके हर वर्ष ७००–७५० बिलियन ड लर के होते हैं। यह एक बड़ा बाजार है। कुछ अन्य खबरों में बताया गया है कि सरकार जरूरत के हिसाब से कदम उठाएगी और यह सुनिश्चित करेगी कि उसी अनुपात में चीन भी भारतीय उत्पादों के लिए अपना बाजार खोले। बहरहाल, यह मामला सिर्फ व्यापारिक नहीं है। इसीलिए कई हलकों से इन खबरों पर उग्र प्रतिक्रिया हुई है। कांग्रेस ने तो इसे गलवाल घाटी के शहीदों का अपमान बताया है। मुमकिन है कि ऐसी प्रतिक्रियाओं के पीछे सियासी मकसद भी हों, लेकिन भारत में मौजूद भावनाओं के मद्देनजर उन्हें बिल्कुल दरकिनार नहीं किया जा सकता। आखिर खुद नरेंद्र मोदी सरकार ने चीन कंपनियों पर प्रतिबंध अप्रैल २०२० के बाद से वास्तविक नियंत्रण रेखा पर बढ़े तनाव की पृष्ठभूमि में उठाया था। तब से चीन से कारोबार के प्रश्न को सत्ताधारी पार्टी और उसके समर्थकों ने भारतीय की राष्ट्रवादी भावनाओं से जोड़ा था। तब से भारत में दो तरह की धारणाएं रही हैं। एक राय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस घोषणा पर आधारित है कि 'भारत की सीमा में ना तो कोई घुसा और ना किसी ने भारत की जमीन पर कब्जा किया है'। दूसरी राय उन खबरों पर आधारित है, जिनमें लगातार बताया गया है कि चीनी फौज लद्दाख क्षेत्र में भारतीय इलाकों में घुसी और वहां बफर जोन बनवा कर वापस लौटी। यानी भारत की पहुंच से बड़ा इलाका निकल गया। मोदी सरकार ने इस बारे में विपक्ष से संवाद करते हुए राष्ट्र को भरोसे में लिया होता, तो संभवतः चीनी कंपनियों के लिए भारत के दरवाजे खोलने के मुद्दे पर उसे आलोचना नहीं झेलनी पड़ती। बहरहाल, अब सरकार चाहे तो यह रास्ता अपना सकती है। बेहतर होगा अगर वह आज की गंभीर आर्थिक चुनौतियों के मद्देनजर इस कदम की जरूरत पर राष्ट्रीय आम सहमति तैयार करे।

मैं इतना हल्का नहीं हूँ: नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद का तीखा बयान, वीडियो वायरल होने से सियासी हलचल

लखनऊ। नगीना से सांसद और आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह तीखे तेवर में नजर आ रहे हैं। वीडियो में सांसद यह कहते सुने जा रहे हैं 'मैं इतना हल्का नहीं हूं कि मुझे यूं ही दबा दिया जाए। एक आवाज लगाऊंगा तो सारी सड़कें बंद हो जाएंगी। हाथ मत लगाना।' बताया जा रहा है कि यह वीडियो किसी सार्वजनिक या राजनीतिक कार्यक्रम के दौरान का है, जहां किसी मुद्दे को लेकर तनावपूर्ण स्थिति बन गई थी। चंद्रशेखर आजाद के इस बयान को लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज हो गई है। समर्थक इसे उनके आत्मसम्मान और संघर्ष की आवाज बता रहे हैं, जबकि विरोधी इसे भड़काऊ बयान करार दे रहे हैं। वीडियो के वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई है। कई यूजर्स उनके समर्थन में खड़े दिख रहे हैं तो वहीं कुछ लोग बयान की भाषा और लहजे पर सवाल उठा रहे हैं। फिलहाल इस पूरे मामले पर चंद्रशेखर आजाद या उनकी पार्टी की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह वीडियो आगामी राजनीतिक गतिविधियों और दलित राजनीति पर असर डाल सकता है। अब देखना यह होगा कि इस वायरल वीडियो को लेकर प्रशासन और राजनीतिक दल क्या रुख अपनाते हैं।

अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं, भूमाफिया और दबंगों के खिलाफ जारी रहेगी कठोर कार्रवाई : सीएम योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को 'जनता दर्शन' में विभिन्न जनपदों से आए प्रत्येक प्रार्थी से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। आमजनों के प्रार्थना पत्र लेकर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को कार्रवाई का निर्देश दिया और कहा कि अवैध कब्जा कतई बर्दाश्त नहीं है। भूमाफिया और दबंगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई जारी है और नियमित रूप से होती रहेगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को त्वरित व संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ ही लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार आपकी समस्या के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री के समक्ष कुछ वादी जमीन कब्जा व मारपीट आदि की शिकायत लेकर पहुंचे। मुख्यमंत्री ने हर एक व्यक्ति के पास पहुंचकर उसकी शिकायत सुनी, प्रार्थना पत्र लिया और फिर अधिकारियों को निर्देश दिया कि जनपद स्तर पर कानून व राजस्व के प्रकरण में तेजी से सुनवाई करते हुए इसका निस्तारण

किया जाए। कानून व्यवस्था सरकार की प्राथमिकता में है। इसमें हीला–हवाली कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने प्रशासन और जनपद, मंडल, रेंज व जोन के पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया कि दबंगों व भूमाफिया के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई नियमित रूप से जारी रखें। गंभीर बीमारी से जूझ रहे कुछ पीड़ितों ने 'जनता दर्शन' में पहुंचकर इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लगाई। सीएम ने कहा कि सरकार इलाज के लिए आर्थिक सहायता दे रही है। आप भी हास्पिटल से जल्द एस्टिमेट बनवाकर दें, एस्टिमेट मिलते ही आपके इलाज में सरकार तुरंत आर्थिक मदद करेगी। धन के अभाव में इलाज नहीं रुकेगा। 'जनता दर्शन' में कई बच्चे भी अपने अभिभावकों के साथ पहुंचे। नन्हे–मुन्ने बच्चों के सामने सीएम योगी का बालप्रेम फिर उमड़ पड़ा। मुख्यमंत्री ने बच्चों का हाल जाना, उन्हें दुलारा–पुचकारा और चॉकलेट दी। सीएम ने अभिभावकों से कहा कि ठंड में बच्चों का विशेष ध्यान रखें। यह अपनत्वपूर्ण भाव सुनकर अभिभावकों ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया।

सेकुलरिज्म का ठेका चलाने वालों के मुंह पर चिपक गया फेविकोलः सीएम योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को माघ मेले में आयोजित जगद्गुरु रामानंदाचार्य जी के ७२६वें प्राकट्य महोत्सव में शिरकत की और अपने विचार रखे। गोरक्षपीठाधीश्वर और सीएम योगी ने सेकुलरिज्म के नाम पर ठेका चलाने वालों पर प्रहार करते हुए बांटने वालों से बचने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा कि जाति और मत–संप्रदाय के आधार पर विभाजन हमारे लिए उसी प्रकार से सर्वनाश का कारण बन जाएगा, जैसे आज बांग्लादेश के अंदर देख रहे हैं। वहां की घटना पर कोई बोल नहीं रहा है। सेकुलरिज्म के नाम पर ठेका लेकर चलने वालों की दुकानें हिंदू समाज और सनातन धर्म को तोड़ने की ताकत लगाती हैं, लेकिन बांग्लादेश की घटना पर उनके मुंह पर जैसे फेविकोल व टेप चिपक गया है। बांग्लादेश की घटना पर कोई कैंडल मार्च तक नहीं निकाला जा रहा। यह हमारे लिए चेतावनी भी है। सीएम योगी ने चेताया कि जो लोग आज भी समाज को बांट रहे हैं, वे कभी हितैषी नहीं होंगे। सत्ता में रहने पर यह लोग परिवार के बाहर नहीं सोच पाते थे। यह फिर तमाम नारे देंगे, लेकिन इन्हें जब भी मौका मिलेगा तो वही करेंगे, जो पहले किया था। पहचान का संकट, अराजकता, सनातन धर्म पर प्रहार और दंगों की आड़ में फिर हर व्यक्ति को झुलसाएंगे। हमें इसकी पुनरावृत्ति नहीं होने देनी चाहिए। डबल इंजन सरकार सनातन आस्था को मजबूती प्रदान करने के लिए सदैव खड़ी है। बांटने, तोड़ने वाले और कमजोर करने वाले लोगों को कभी पनपने न दें। हम सभी इस संकल्प के साथ बढ़ेंगे तो आने वाला समय सनातन धर्म का है। जिस तरह राम मंदिर पर ध्वज लहरा रहा है, उसी तरह दुनिया के अंदर सनातन का झंडा फहराता रहेगा और तब, बांग्लादेश में कमजोर व दलित हिंदू को काटने का कोई दुस्साहस नहीं कर पाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रयागराज की पावन धरा को कभी महर्षि भारद्वाज, महर्षि वाल्मीकि व अन्य पूज्य ऋषियों व महर्षियों ने अपने तप व साधना से सनातन धर्म के केंद्र के रूप में विकसित किया था। त्रिवेणी की इस पावन धरा पर ७२६ वर्ष पूर्व भक्ति शिरोमणि भगवान रामानंदाचार्य प्रकट हुए थे। प्रयागराज की पावन धरा, भगवान वेणी माधव की अपार कृपा से, भगवान अक्षयवट के सानिध्य में, त्रिवेणी का वह रूप जिसे हम मां गंगा, मां यमुना व मां सरस्वती के रूप में स्मरण करते हैं देश–दुनिया से श्रद्धालु यहां आकर संगम में डुबकी लगाते हैं। यहां धर्म, न्याय और ज्ञान भी है। तीनों को लेकर देश भर के अलग–अलग जिज्ञासु इस पावन धरा पर उपस्थित होते हैं। सीएम योगी ने कहा कि सतुआ बाबा ने सबको जोड़ दिया। भगवान रामानंदाचार्य की पावन जयंती प्रयागराज में हो रही है। पौष पूर्णिमा इस वर्ष ३ जनवरी को पड़ गई, तो सभी इस आयोजन से जुड़ गए। सीएम ने सभी संतों का आह्वान किया कि आप बातचीत कीजिए। दारागंज में जिस परिवार–स्थल पर रामानंदाचार्य जी प्रकट हुए थे, वहां उनका स्मारक व मंदिर बने, सरकार उसमें सहयोग करेगी। रामानंदाचार्य जी महाराज ने बंटे समाज को जोड़ने का कार्य किया था। उनकी प्रेरणा को जीवन का मंत्र बनाएं। उन्होंने जगद्गुरु रामानंदाचार्य का जिक्र करते हुए कहा कि कोई अचानक महान नहीं बनता। महानता के लिए दिव्य गुणों को आत्मसात करने का सामर्थ्य, दृढ़ इच्छाशक्ति और दृष्ट भी होनी चाहिए। सामान्य मनुष्य केवल अपने व परिवार के लिए सोचता है, उसकी दुनिया परिवार तक सीमित रहती है, लेकिन ईश्वरीय गुणों से भरपूर महामानव की दृष्टि दिव्य, कल्याण व धर्म के प्रति जागरूक करने की होती है। उनके भाव स्वयं और स्वार्थ के लिए नहीं, बल्कि परमार्थ के लिए होते हैं। इस धराधाम पर यही कार्य जगद्गुरु रामानंदाचार्य भगवान ने किया था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ७२६ वर्ष पूर्व कालखंड ऐसा था, जब आक्रमणकारी सनातन धर्म को रौंदना चाहते थे। विदेशी आक्रांताओं द्वारा समाज को तोड़ने, जाति के नाम पर बांटने, अनेक वादों के आधार पर सामाजिक ताने–बाने को छिन्न–भन्न करने की साजिश हो रही थी। उस समय मत–संप्रदायों को एकजुट करने का आह्वान रामानंदाचार्य जी ने किया था। उन्होंने कहा कि सभी जन ईश्वर के चरणों में शरणागत के सदैव अधिकारी हैं। मत–संप्रदाय के आधार पर मत बंटो। भगवान रामानंदाचार्य ने समाज को जोड़ने के लिए अलग अलग जातियों से द्वादश शिष्य (अनंताचार्य जी, कबीर दास जी, सद्गुरु रविदास जी, सदगुरु पीपा जी, सुरसुरानंद जी, सुखानंद जी, नरहर्यानंद जी, योगानंद जी, भावानंद जी, धन्ना जी, सैन जी व गैलवानंद जी महाराज) बनाए। रामानंद परंपरा से निकलीं अलग–अलग धाराएं आज भी समाज को जोड़ती हैं। इस मंच पर अनेक परंपरा के संतों की उपस्थिति सनातन धर्म की एकता का उद्घोष कर रही है। सीएम ने रविदासी संप्रदाय, कबीर दास समेत विभिन्न परंपराओं के संतों की उपासना भाव का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जगद्गुरु रामानंदाचार्य जी महाराज ने उपासना विधि (सगुण व निर्गुण) के शिष्य दिए। उन्होंने बंटे समाज को जोड़ने का उद्घोष किया था।

छात्राओं के डिजिटल सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम, समाज कल्याण विभाग व मदद फाउंडेशन के बीच एमओयू

लखनऊ। छात्राओं के समावेशी विकास, डिजिटल साक्षरता और तकनीकी सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से समाज कल्याण विभाग द्वारा एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। इसी क्रम में मंगलवार को गोमती नगर स्थित भागीदारी भवन में मदद फाउंडेशन के सहयोग से समन्वय बैठक एवं टैबलेट वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाज कल्याण विभाग और मदद फाउंडेशन के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। कार्यक्रम में समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री असीम अरुण तथा मदद फाउंडेशन के संस्थापक श्री राजेश मणि उपस्थित रहे। हर बालिका विद्यालय को २०–२० टैबलेट कार्यक्रम के दौरान जय प्रकाश नारायण सर्वोदय बालिका विद्यालय, गोरखपुर एवं महराजगंज जनपदों के प्रधानाचार्यों को कुल ४० टैबलेट प्रदान किए गए। ये टैबलेट संबंधित विद्यालयों की छात्राओं के शैक्षणिक उपयोग के लिए उपलब्ध कराए जाएंगे। प्रत्येक विद्यालय को २०–२० टैबलेट दिए गए हैं। यह पहल पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू की गई है, जिसकी सफलता के आधार पर भविष्य में अन्य विद्यालयों को भी टैबलेट उपलब्ध कराए जाने की योजना है। इस अवसर पर टैबलेट वितरित करते हुए राज्य मंत्री श्री असीम अरुण ने कहा कि डिजिटल शिक्षा आज के समय की अनिवार्य आवश्यकता बन चुकी है। तकनीकी संसाधनों के माध्यम से छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ–साथ आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिलेगा। उन्होंने इस पहल को बालिकाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक सराहनीय एवं दूरदर्शी कदम बताया। मदद फाउंडेशन के संस्थापक श्री राजेश मणि ने समाज कल्याण विभाग के साथ इस सहयोग को सामाजिक उत्थान और शिक्षा के क्षेत्र में एक सार्थक प्रयास बताया। उन्होंने कहा कि डिजिटल संसाधनों के माध्यम से छात्राओं को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार किया जा सकेगा। कार्यक्रम में समाज कल्याण विभाग के निदेशक श्री संजीव सिंह, उपनिदेशक श्री आनंद कुमार सिंह, श्री जे. राम सहित विभागीय अधिकारी एवं मदद फाउंडेशन की टीम के सदस्य उपस्थित रहे।

गोरखपुर महोत्सव-२०२६ में गोरखपुर के इतिहास एवं वंदे मातरम पर आधारित अभिलेख प्रदर्शनी का आयोजन

लखनऊ। गोरखपुर महोत्सव –२०२६ के अंतर्गत ११ जनवरी से १३ जनवरी २०२६ के मध्य उत्तर प्रदेश राजकीय अभिलेखागार ,संस्कृति विभाग द्वारा गोरखपुर के इतिहास एवं वंदे मातरम पर आधारित अभिलेख प्रदर्शनी का आयोजन चंपा देवी पार्क, रामगढ़ ताल ,गोरखपुर में किया जा रहा है, जिसमें अनेक महत्वपूर्ण दुर्लभ ऐतिहासिक अभिलेख लगाए गए हैं जिसमें गुरु गोरखनाथ से संबंधित पांडुलिपि,मयूटिनी नैरेटिव १८५७ गोरखपुर, बंधू सिंह का चित्र विवरण सहित, जनपद गोरखपुर परिक्षेत्र के क्रांतिकारियों की सूची, चौरी–चौरा घटना, काकोरी के क्रांतिकारियों का विवरण तथा गिरफ्तारी की तिथि, गोरखपुर जेल जहां पंडित राम प्रसाद बिस्मिल को फांसी की सजा हुई थी, १९४२ के आंदोलन में देवरिया कचहरी पर राष्ट्रीय झंडा फहराने वाले क्रांतिकारी रामचंद्र व सोना विद्यार्थी से संबंधित महत्वपूर्ण अभिलेख तथा गोरखपुर के ऐतिहासिकध्पर्यटन स्थल व वंदे मातरम् के इतिहास से संबंधित अभिलेख प्रदर्शित किए गए है।

सक्षम भारत पुरस्कार से सम्मानित हुईं हुनरमंद युवती महिलाओं सहित ३५ हस्तियां

लखनऊ। लेट्स गिव होप फाउण्डेशन की ओर से यहां संत गाडगे जी महाराज प्रेक्षागृह गोमतीनगर में हुनरमंद और प्रेरक प्रोफेशनल्स को सक्षम भारत पुरस्कार–२०२६ से नवाजा गया। इस मौके पर चली कार्यशाला में विशेषज्ञों ने महिलाओं के लिये आजीविका विकास के अवसर विषय और कौशल पर विचार रखकर उपस्थित महिलाओं को प्रेरित किया। यहाँ सक्षम भारत पुरस्कार पाने वालों में शिक्षाविद् मंजू सिन्हा नेत्र रोग विशेषज्ञ डा. प्रोफेसर डा. पूजा कानोडिया, कथक नृत्यांगना रतन सिस्टर्स ईशा–मीशा रतन, अयोध्या की गायिका व गीतकार संजोली पांडे, स्त्री रोग विशेषज्ञ प्रोफेसर डा.एकता चौधरी, सेवा निकेतन आश्रम ट्रस्ट की डा. आशा सिंह, व्यवसायी अर्चना मिश्रा, सार्वजनिक भाषण विशेषज्ञ कविता चौबे, कंपनी सेक्रेटरी व हस्तशिल्पी प्रीति शर्मा, शिक्षिका डॉ.आफिया बानो, सरिता गौतम, संज्ञा शर्मा, रिजवाना परवीन, समाजसेवी पूनम कुमारी, अंजलि श्रीवास्तव और सेल्फ डिफेंस ट्रेनर दीक्षा सैनी प्रमुख महिला विभूतियां रहीं। इसके अलावा प्रीति कश्यप, वंशिता रावत, अनीता सरोज, शिवानी प्रजापति, सिमरन यादव, शालिनी कश्यप, प्रियंका पाल, आकांक्षा तिवारी, अनीशा बिष्ट, प्रज्ञा साहू, शबाना, मान्या सिंह, नागेंद्र, वसन गिरि, हिमांशु सिंह, अजय भी सम्मानित हुए। इनके साथ ही केजीएमयू के डा.गौरव मिश्रा, व्यवसायी विशाल सिंह, सहायक प्रोफेसर कुणाल दीक्षित, स्टेट ला अ फिसर हाईकोर्ट शिव प्रसाद कुशवाहा, सोशल ऑडिट कमेटी सदस्य कुंदन सैनी, सीनियर आई कन्सलटेन्ट आशीष श्रीवास्तव, व्यवसायी प्रशांत राय, स्टोरी टेलर जीतेश श्रीवास्तव को भी यह सम्मान प्रदान किया गया। मानसी शर्मा व प्रियांशी के गणेश वंदना नृत्य से प्रारम्भ हुए समारोह में फाउण्डेशन के संस्थापक अध्यक्ष आशीष मौर्या ने गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पूरे प्रदेश भर में सक्षम स्किल सेंटर स्थापित करके मध्यम एवं निम्न वर्ग की महिलाओं और युवाओं को कौशल परख शिक्षा प्रदान करने का लक्ष्य रखा है। कार्यशाला में जरी जरदोजी चिकनकारी विशेषज्ञ तोशानी, मेकअप आर्टिस्ट मंजरी जायसवाल, ग्राफिक व वीडियो एडिटर रितु पांडे, फोटोग्राफर शुभांगी मौर्य और नवाचारी शेफ अनिता शर्मा ने अपने अनुभव साझा किये। उन्होंने बताया कि कैसे महिलाएं अपने कौशल को पहचानकर व्यवसाय में बदल सकती हैं और घर से ही सफलता प्राप्त कर सकती हैं। वक्ताओं ने व्यावहारिक व्यावसायिक युक्तियां भी समझायीं जो महिलाओं को अपने पैरों पर खड़े होने में मदद कर सकती हैं। कार्यशाला में उपस्थित महिलाओं ने वक्ताओं से सवाल पूछे और अपने अनुभव साझा किये। यह एक बहुत ही प्रेरणादायक और ज्ञानवर्धक सत्र रहा। इस अवसर पर संस्था की गतिविधियों का वृत्तचित्र भी दिखाया गया।

१५१वाँ आपका विधायक - आपके द्वार : केके ह स्पिटल के सहयोग से बंथरा में लगा आई कैंप

लखनऊ। सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह के मार्गदर्शन में पिछले १५० सप्ताहों से अधिक समय से निरंतर जनसुनवाई शिविरों का आयोजन किया जा रहा है, ताकि शासन–प्रशासन की योजनाओं और जनसुविधाओं का लाभ सीधे अंतिम नागरिक तक पहुँचे। इसी क्रम में रविवार को ग्रामसभा बंथरा में १५१वाँ 'आपका विधायक आपके द्वार' जनसुनवाई शिविर आयोजित किया गया शिविर में क्षेत्रवासियों द्वारा वृद्धावस्था पेंशन, बाल सेवा योजना का लाभ, सड़क, नाली, साइकिल, पीएम आवास जैसी समस्याएँ एवं आवश्यकताएँ दर्ज की गईं, जिनके त्वरित समाधान का प्रयास किया गया। इस अवसर पर १० जन समस्याओं का त्वरित समाधान भी किया गया। आमजन के स्वास्थ्य संरक्षण के लिए के. के. ह स्पिटल के सहयोग से चिकित्सा शिविर भी आयोजित हुआ, जिसमें ४१ लोगों का नेत्र परीक्षण किया गया और ३२ वृद्धजनों को चश्में प्रदान किए जायेंगे। गाँव की शान पहल के अंतर्गत हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले ४ मेधावियों १. जैस जायसवाल (९७:), २. सौम्या गुप्ता (९२:), ३. श्रद्धा गुप्ता (९२:), ३. अनिकेत वर्मा(७४:), ४. विश्व प्रताप सिंह (८२:) को साइकिल, घड़ी और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। वहीं, युवाओं को खेल संसाधन उपलब्ध कराने के संकल्प के क्रम में १६५वाँ ब यज यूथ क्लब एवं १००वाँ गर्ल्स यूथ क्लब गठित किया गया और खेल किट वितरित की गई। शिविर में उपस्थित बूथ अध्यक्ष विवेक राजपूत, सेक्टर संयोजक पवन मिश्रा, बूथ अध्यक्ष प्रखर गुप्ता, विनोद मिश्रा, रोहित मौर्या, पुरुषोत्तम मिश्रा, दिनेंद्र सिंह, शिव कुमार सिंह, बैद्यनाथ (**Retd- DySP**), शेरा गुप्ता, सुरेश सिंह चौहान, अरुण कुमार गुप्ता, पिंटू तिवारी, आयुष वर्मा एवं अन्य गणमान्यों को अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही, सभी उपस्थित जनसमुदाय को तारा शक्ति निःशुल्क रसोई के माध्यम से ताजा एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया गया।

कार्ययोजना के हाशिये से निर्णय के केंद्र तकः प्रगति और मिजोरम की रेल अवसंरचना

'श्री वरूण अधिकारी, मुख्य इंजीनियरिंग भूविज्ञानी'

जब मैं २०१५ में बैराबी–सैरांग रेलवे परियोजना में शामिल हुआ, तो मुझे लगता था कि यह देश के ऐसे हिस्से में कदम रखने जैसा है, जिस पर शायद ही कभी राष्ट्रीय स्तर पर ध्यान दिया गया हो। यह सफर खुद ही अपनी कहानी कहता है। राष्ट्रीय राजमार्ग–१५४, जिसे अब राष्ट्रीय राजमार्ग–०६ कहा जाता है, एकमात्र पहुंच मार्ग था, जो बुरी तरह क्षतिग्रस्त था और भरोसे के लायक नहीं था। भारी ट्रक अक्सर कई दिनों तक फंसे रहते थे और निकटवर्ती स्थानों की यात्रा हिचकोलों से भरी होती थी। आस–पास की पहाड़ियाँ छोटी, कमजोर और अस्थिर थीं, जिनका आकार तीव्र वर्षा और निरंतर ढलान गति के कारण बदलता रहता था। कागज पर, परियोजना ऐतिहासिक थी, राष्ट्रीय नेटवर्क से मिजोरम का पहला रेल–परिवहन संपर्क, जो पहाड़ों, तीव्र ढलान और गहरी घाटियों को काट कर तैयार किया जा रहा था। हालाँकि, जमीनी स्तर पर प्रगति बहुत धीमी थी। सामग्री की अनुपलब्धता, श्रम की कमी, परिवहन में विलंब, स्थानीय बाधाएं और लगातार स्थगित निर्णयों के कारण कार्यस्थल पर काम न होना आम बात थी। एक सुरंग डिजाइन सलाहकार और भूविज्ञानी के रूप में, भूविज्ञान कार्य चुनौतीपूर्ण था, लेकिन इसकी गंभीरता समझी जा सकती थी। जो बात वास्तव में अधिक कठिन साबित हुई, वह थी – संस्थागत निष्क्रियता। परियोजना देश के सबसे दूर–दराज के क्षेत्र में स्थित थी। समीक्षा छिटपुट थी। निर्णय लेने का अधिकार मंत्रालयों, राज्य विभागों और एजेंसियों में बिखरा हुआ था। धीरे–धीरे, एक असहज सच्चाई स्पष्ट होने लगीः ऐसा प्रतीत होता था कि कोई भी वास्तव में यह उम्मीद नहीं करता था कि परियोजना निकट भविष्य में पूरी होगी। फिर, शांतिपूर्वक और बिना किसी घोषणा के, पूरी प्रणाली में अचानक तेजी आयी। परियोजना कार्यालयों में एक स्पष्ट तत्परता का भाव दिखने लगा। फोन बार–बार बजने लगे। वरिष्ठ अधिकारी नियमित रूप से कार्यस्थलों का दौरा करने लगे। लंबे समय से लंबित फाइलों को तुरंत सामने लाया गया, उनकी समीक्षा की गई और उन्हें दूसरी जगहों पर भेजा गया। बैठकें तेजी से व नियमित रूप से निर्धारित की जाने लगीं, अक्सर उन एजेंसियों को भी शामिल किया गया, जो पहले अलग–थलग रहकर काम करती थीं। एक निजी सलाहकार के रूप में, मैं प्रशासनिक विभाग का हिस्सा नहीं था और किसी ने भी गतिविधि में आयी इस अचानक तेजी के पीछे का कारण नहीं बताया। लेकिन बड़ी अवसंरचना परियोजनाओं के लंबे अनुभव ने मुझे संकेत की पहचान करना सिखा दिया था। यह सामान्य दबाव नहीं था। यह शीर्ष स्तर पर निरीक्षण की तैयारी थी। जल्द ही कारण स्पष्ट हो गयाः बैराबी–सैरांग रेलवे परियोजना की समीक्षा पीएम की अध्यक्षता वाले सक्रिय शासन और समय पर कार्यान्वयन (प्रगति) मंच के तहत निर्धारित की गई थी। परियोजना लंबे समय तक हाशिये पर रही, लेकिन प्रगति के अंतर्गत समीक्षा से प्राधिकार व जवाबदेही तय हुई और हर लंबित मुद्दे तथा एजेंसियों के बीच अड़चनों के सम्बन्ध में वास्तविक समय पर जांच की व्यवस्था की गयी। इस बैठक के बाद निर्णय मेल खाने लगे, और प्रगति दिखाई दी, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि किस प्रकार शासन अक्सर परिणाम तय करता है। मार्च २०१६ की प्रगति समीक्षा बैठक ने परियोजना के आयाम में मूलभूत बदलाव किये। इस रूपरेखा के तहत, समस्याओं की अलग–अलग जाँच नहीं की जा सकती थी और न ही उन्हें अनिश्चितकाल के लिए टाला जा सकता था। एन–एच–०६ की अत्यंत खराब हालत अब रेलवे के कार्य क्षेत्र के बाहर नहीं मानी जा रही थी। स्पष्ट समयसीमा और निरंतर निगरानी के साथ सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय को मरम्मत और सुधार कार्य करने का निर्देश दिया गया। भूमि अधिग्रहण में देरी को अब केवल सामान्य प्रशासनिक बाधाओं के रूप में नहीं देखा जा रहा था। मिजोरम सरकार को समाधान तेज करने का निर्देश दिया गया और प्रगति पर निगरानी रखी गई। कानून और

व्यवस्था से संबंधित मुद्दों को औपचारिक रूप से क्रियान्वयन के लिए महत्वपूर्ण जोखिम माना गया और उन पर कड़ी निगरानी रखी गयी। व्यक्तिगत निर्णय नहीं, बल्कि निर्णयों का समन्वय ही वह बात थी, जो सबसे अधिक ध्यान खींचती थी। प्रगति के तहत, एजेंसियां अब अलग–थलग रहकर काम नहीं कर सकती थीं। जिम्मेदारियां निर्धारित की गईं, समन्वय को अनिवार्य किया गया और अनुवर्ती कार्यों में निरंतरता लाई गयी। इसका असर तुरंत दिखा, कटकहल–बैराबी खंड को मार्च २०१६ में चालू किया गया, जिससे माल ढुलाई संभव हुई और पहुंच, लॉजिस्टिक्स और योजना में सुधार हुआ। जैसे–जैसे महीने बीतते गए, यह स्पष्ट हो गया कि प्रगति संस्थागत व्यवहार को बदल रही थी। समीक्षा अब देरी की व्याख्या करने से हटकर उन्हें हल करने पर केंद्रित हो गई और रिपोर्ट के स्थान पर तस्वीरों, समयरेखाओं और स्थल अवस्थति डेटा का उपयोग होने लगा। डिजिटल निगरानी यह सुनिश्चित करती थी कि एक बार उठाए गए मुद्दे तब तक चर्चा में बने रहें जब तक कि उनका समाधान न हो जाए। इस अनुशासन से पूरी प्रणाली में काम करने के तरीके बदल गये। इंजीनियर अधिक निर्णायक हो गए, ठेकेदार अधिक जवाबदेह बन गये तथा राज्य और केंद्रीय एजेंसियां अधिक निकटता से समन्वय करने लगीं, क्योंकि हिस्सों में काम करने को अब सहन नहीं किया जाता था। जमीनी स्तर पर, प्रभाव स्पष्ट था। सुरंग खुदाई पहले छिटपुट तरीके से की जा रही थी। जटिल भूविज्ञान, टूटे हुए चट्टान, संरचनात्मक बदलाव क्षेत्र, पानी का रिसाव और कमजोर स्तरों के बावजूद अब खुदाई के काम में लगातार प्रगति होने लगी। समर्थन प्रणालियों और डिजाइन संशोधनों के लिए अनुमोदन महीनों की बजाय हफ्तों में होने लगे। गहरी घाटियों में पुलों का निर्माण होने लगा, कुछ सत्तर मीटर से अधिक ऊँचे थे, जो सैकड़ों किलोमीटर दूर लिए गए निर्णयों को कार्यस्थल पर कंक्रीट और स्टील में बदल रहे थे। यहां तक कि कोविड–१६ अवधि के दौरान भी, यही व्यवस्था निरंतरता सुनिश्चित करती रहीय श्रम की कमी, संविदात्मक विवाद और कार्यान्वयन चुनौतियों पर कड़ी निगरानी रखी गई, और परियोजना धीमी हुई, लेकिन भटकाव नहीं हुआ। समय के साथ, उपलब्धि का पैमाना स्पष्ट हो गयारू लगभग एक–तिहाई मार्ग को कवर करने वाली पैंतालीस सुरंगें, १५० से अधिक पुल, सुरंग खंडों के माध्यम से बिना बालास्ट वाला ट्रैक, और देश के सबसे चुनौतीपूर्ण भौगोलिक क्षेत्रों में से एक में १०० किलोमीटर प्रति घंटे की डिजाइन गति की सुविधा। चार नए स्टेशन होर्टोकी, काउनपूई, मुअलखांग, और सैरांग लंबे समय से अलग–थलग समुदायों की सेवा के लिए तैयार हुए। इंजीनियरिंग से परे, परियोजना ने एक गहरी सच्चाई को उजागर किया। नाजुक भूविज्ञान को प्रबंधित किया जा सकता है, मानसून को ध्यान में रखते हुए योजना बनाई जा सकती है और ल जिस्टिक्स को मजबूत किया जा सकता है। अंततः परिणामों को निर्धारित करने वाली चीज है शासन संस्थाओं में समन्वय करने, निर्णय लेने और कार्रवाई करने की क्षमता। पूर्वोत्तर में परियोजनाओं पर इसके प्रभाव से परे, प्रगति पोर्टल का देशव्यापी विकास पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा है, क्योंकि निर्णय लेने में तेजी और बेहतर समन्वय ने पूरे देश में अवसंरचना के निरंतर विस्तार का समर्थन किया है। हाल ही में एक संवाददाता सम्मेलन में, कैबिनेट सचिव ने प्रगति व्यवस्था के प्रभाव को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि दिसंबर २०२५ तक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रगति व्यवस्था के तहत ३८२ प्रमुख परियोजनाओं की समीक्षा कर चुके हैं। प्रगति इकोसिस्टम से ८५ लाख करोड़ रुपये (लगभग ८५० बिलियन ड लर) से अधिक मूल्य की अवसंरचना परियोजनाओं के कार्यान्वयन में तेजी आयी है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, इस अवधि के दौरान अवसंरचना परियोजनाओं के खर्च में भी तेज वृद्धि देखी गई है, जिसका पूंजीगत व्यय २०१४–१५ के १.६७ लाख करोड़ रुपये से बढ़कर २०२५–२६ में ११.२१ लाख करोड़ रुपये के बजट अनुमान तक पहुँच गया, जो पाँच गुनी से अधिक की वृद्धि को दर्शाता है। केन्द्रीय बजट में हिस्सेदारी के रूप में, अवसंरचना पूंजीगत व्यय लगभग १२ प्रतिशत से बढ़कर लगभग २२ प्रतिशत हो गया। कैबिनेट सचिव के अनुसार प्रगति एक व्यापक, एकीत डिजिटल इकोसिस्टम के हिस्से के रूप में कार्य करती है, जिसमें पीएम गति शक्ति, परिवेश और परियोजना निगरानी समूह (पीएमजी) शामिल हैं। कुल मिलाकर देखा जाए तो, जमीन पर किए गए अवलोकन, स्थानिक परिणाम और वित्तीय संकेतक साथ मिलकर दर्शाते हैं कि भारत में अवसंरचना व्यय को व्यवस्थित रूप से बढ़ाया गया है और प्रभावी ढंग से प्रबंधित किया गया है, जिससे राष्ट्रीय विकास में एक स्थिर योगदानकर्ता के रूप में इसकी भूमिका मजबूत हुई है। '(लेखक एक मुख्य इंजीनियरिंग भूविज्ञानी हैं, जिनके पास भारत में जटिल भूमिगत अवसंरचना परियोजनाओं में १७ वर्षों से अधिक का अनुभव है।)'

लाल बहादुर शास्त्री के राष्ट्रसेवा के आदर्श हम सभी को सदैव कर्तव्यपथ पर अग्रसर होने की प्रेरणा देते रहेंगे : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने रविवार को अपने कैम्प कार्यालय ७–कालिदास मार्ग पर भारत के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की पुण्यतिथि पर उनके छायाचित्र पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि अर्पित कर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित किया। इस अवसर पर उन्होने कहा कि शास्त्री जी की सादगी, ईमानदारी और राष्ट्रसेवा के आदर्श हम सभी को सदैव कर्तव्यपथ पर अग्रसर होने की प्रेरणा देते रहेंगे। उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने पूर्व प्रधानमंत्री स्व० श्री लाल बहादुर शास्त्री जी की स्मृतियों को नमन करते हुए कहा कि श्री लाल बहादुर शास्त्री जी ने आजादी की लड़ाई में अग्रणी भूमिका निभायी तथा स्वतन्त्र भारत को यशस्वी नेतृत्व प्रदान किया। शास्त्री जी सादगी की प्रतिमूर्ति थे। शास्त्री जी ने 'जय जवान– जय किसान' के उद्घोष द्वारा देश को सुरक्षा और आत्मनिर्भरता का मार्ग दिखाया। कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत का संकल्प शास्त्री जी की सोच का ही आधुनिक रूप है।

बाराबंकी में लोहड़ी की धूमः 'सुंदरिये-मुंदरिये' की गूंज पर थिरके कदम, केसरिया दूध और खुशियों के साथ मनाया पर्व

बाराबंकी। लाजपत नगर स्थित गुरुद्वारा गुरुसिंह सभा और रामजानकी मंदिर में मंगलवार को पंजाबी व सिख समाज ने लोहड़ी

का पर्व पूरे उत्साह और पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया। सुबह से ही पर्व की रौनक दिखाई देने लगी, जो देर रात तक जारी रही। पंजाबी लोकगीत श्सुंदरिये मुंदरिये हो दुल्ला भट्टी वाला होश की धुनों पर ढोल–नगाड़ों की थाप गूंजती रही और लोग भांगड़ा व गिद्दा करते नजर आए। लोहड़ी के अवसर पर नवविवाहित जोड़ों ने अग्नि की परिक्रमा कर बुजुर्गों से आशीर्वाद लिया। घर–घर में विशेष पकवानों की तैयारी की गई। गुरुद्वारा गुरुसिंह सभा में हजूरी रागी जत्था भाई तीरथ सिंह द्वारा कीर्तन–भजन किया गया। कार्यक्रम के समापन पर केसरिया दूध का वितरण हुआ, जिसे संगत ने एक साथ बैठकर ग्रहण किया। वहीं रामजानकी मंदिर में पंडित सोनू तिवारी ने श्रीराम भगवान का विधिवत पूजन कराया। श्रद्धालुओं द्वारा कीर्तन–भजन किया गया। शाम को लाजपत नगर में लोहड़ी जलाकर पूजा–अर्चना की गई। तिल, गुड़, मूंगफली और रेवड़ी का प्रसाद बांटा गया। महिलाओं और बच्चों ने लोहड़ी की अग्नि की परिक्रमा कर तिल, रेवड़ी और मूंगफली अर्पित की। जिन घरों में इस वर्ष विवाह हुआ या संतान का जन्म हुआ, वहां विशेष उत्साह और धूम देखी गई। इस अवसर पर सरदार चरणजीत सिंह, प्रधान भूपेंद्र सिंह, अनिल अग्रवाल, विनोद गाबा, राजदीप सिंह, हरप्रीत सिंह, राकेश उप्पल, तनप्रीत सिंह, मालकीत सिंह, तनमीत सिंह, अरुण अग्रवाल और करण पुरी सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

मेट्रो कॉरिडोर के पास पतंग उड़ाने से बचें, चीनी मांझा जानलेवा : लखनऊ मेट्रो

लखनऊ। यात्रियों की सुरक्षा और मेट्रो सेवाओं के निर्बाध संचालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लखनऊ मेट्रो ने आमजन से अपील की है कि वे मेट्रो कॉरिडोर के आसपास पतंग उड़ाने से परहेज करें। पूर्व में पतंगबाजी के कारण मेट्रो परिचालन प्रभावित हुआ है, जिससे यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ा। लखनऊ मेट्रो ने बताया कि चीनी मांझा अथवा धातुयुक्त धागा विद्युत का सुचालक होता है। इसके संपर्क में आने से शॉर्ट सर्किट की स्थिति उत्पन्न हो सकती है, जिससे जान–माल की हानि की आशंका रहती है। साथ ही इससे मेट्रो की ओवरहेड इलेक्ट्रिफिकेशन (व्भ्म) प्रणाली को भी गंभीर क्षति पहुंच सकती है। धातुयुक्त धागा यदि ओएचई सिस्टम में फंसता है तो ट्रिपिंग की स्थिति उत्पन्न होती है, जिसके परिणामस्वरूप मेट्रो सेवाएं बाधित हो जाती हैं। ऐसे मामलों में पतंग उड़ाने वाले व्यक्तियों के घायल होने की घटनाएं भी सामने आ चुकी हैं। लखनऊ मेट्रो ने स्पष्ट किया कि प्रचलित नियमों के तहत मेट्रो संपत्ति को क्षति पहुंचाने पर मेट्रो रेलवे अधिनियम, २००२ की धारा ७८ के अंतर्गत बिना वारंट के गिरफ्तारी और १० वर्ष तक के कारावास का प्रावधान है। लखनऊ मेट्रो ने नागरिकों से अपील की है कि वे चीनी मांझा अथवा तांबे के तार का प्रयोग न करें तथा मेट्रो कॉरिडोर के निकट पतंग उड़ाने से बचें, जिससे यात्रियों की सुरक्षा और मेट्रो सेवाओं का निर्बाध संचालन सुनिश्चित किया जा सके। अंत में लखनऊ मेट्रो ने समस्त नागरिकों को मकर संक्रांति की हार्दिक शुभकामनाएं भी प्रेषित की हैं।

सुप्रीम कोर्ट से अब्बास अंसारी को बड़ी राहतः गैंगस्टर एक्ट में अंतरिम जमानत हुई नियमित, जेल से रिहाई का रास्ता साफ

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश के गिरोहबंद अधिनियम के तहत एक मामले में विधायक अब्बास अंसारी को अंतरिम जमानत देने के अपने पूर्व आदेश की पुष्टि की। अंसारी दिवंगत गैंगस्टर मुख्तार अंसारी के बेटे हैं। चित्रकूट जिले के कोतवाली कर्वी थाने में ३१ अगस्त, २०२४ को उत्तर प्रदेश गिरोहबंद और समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, १९८६ के तहत अंसारी और अन्य के खिलाफ जबरन वसूली और मारपीट के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पिछले साल सात मार्च को शीर्ष अदालत ने अंसारी को इस मामले में छह सप्ताह की अंतरिम जमानत दी थी। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत तथा न्यायमूर्ति जे. बागची एवं न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने मंगलवार को अंसारी की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और अधिवक्ता निजाम पाशा की दलीलों पर गौर किया तथा मामले में पहले दी गई अंतरिम जमानत

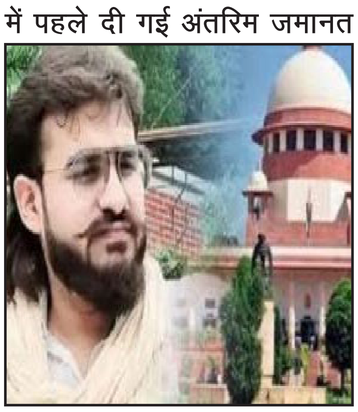

को नियमित कर दिया। मार्च २०२५ में शीर्ष अदालत से मिली राहत ने अंसारी की कासगंज जेल से रिहाई का रास्ता साफ कर दिया है। उनके खिलाफ अन्य सभी आपराधिक मामलों में उन्हें जमानत मिल चुकी है। पीठ ने कुछ शर्तें लगाई थीं और बाद में उनमें से कुछ में ढील दी थी, जिनमें यह शर्त भी शामिल थी कि वह जांच अधिकारी की अनुमति के बिना लखनऊ नहीं छोड़ सकते। अंसारी को चार नवंबर, २०२२ को अन्य आपराधिक मामलों में हिरासत में लिया गया था और छह सितंबर, २०२४ को गिरोहबंद अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया था। पीठ ने पिछले साल मार्च में उन्हें राहत देते हुए कहा कि गिरोहबंद अधिनियम के मामले को छोड़कर अन्य सभी आपराधिक मामलों में उन्हें जमानत दी गई है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने १८ दिसंबर २०२४ को इस मामले में अंसारी की जमानत याचिका खारिज कर दी। इस मामले में नवनीत सचान, नियाज अंसारी, फराज खान और शाहबाज आलम खान अन्य आरोपी हैं।

चुनावी रण की तैयारीः लखनऊ में भाजपा का महामंथन, 'वीबी जी राम जी' के दम पर विपक्ष को घेरने की रणनीति

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उत्तर प्रदेश के चुनावों की तैयारी में जुट गई है। राज्यसभा, विधान परिषद, रिक्त सीटों पर उप–चुनाव और पंचायत चुनाव के रण से पहले संगठन को धार दी जाने लगी है। इसी क्रम में जी राम जी८–रखा है। पूरे दमखम के साथ पार्टी इसके प्रचार–प्रसार में जुटी है। विपक्ष को हमलों को परास्त करने के लिए केंद्रीय संसदीय एवं अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरन रिजिजू और हरियाणा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ओपी धनकड़

लखनऊ में कार्यशाला आयोजित की गई। केंद्रीय मंत्री किरन रिजिजि और हरियाणा के पूर्व उपाध्यक्ष ओपी धनकड़, पार्टी के जन–प्रतिनिधि और नेताओं के साथ संवाद कर रहे हैं। मंथन के बाद प्रभावी रोडमैप तैयार किया जाएगा। भाजपा ने मनरेगा का नाम बदलकर, विकसित भारत गारंटी फार रोजगार एंड आजीविका मिशन ग्रामीण–'वीबी प्रदेश के सांसदों, विधायकों, क्षेत्रीय एवं जिला इकाई की टीमों के साथ संवाद कर रहे हैं। संवाद के बाद जो रणनीति बनेगी, उसके आधार पर पार्टी अपने चुनावी अभियान को आगे बढ़ाएगी। भाजपा के नव–नियुक्त प्रदेश अध्यक्ष, केंद्रीय मंत्री पंकज चौधरी, उप–मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, उप–मुख्यमंत्री बृजेश पाठक समेत तमाम नेता कार्यशाला में शामिल हुए।

अजब–गजबः जिस सांप ने काटा उसे ही जेब में भरकर अस्पताल ले आया युवक, मच गया हड़कंप

मथुरा। मथुरा जिले में हुई एक अजीबोगरीब घटना में एक ई–रिक्शा चालक अपनी जेब में सांप लेकर जिला अस्पताल में घुस गया। जिला अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर नीरज अग्रवाल ने मंगलवार को बताया कि मथुरा नगर का निवासी ईरिक्शा चालक दीपक (३६) सोमवार को अपनी जेब में करीब डेढ़ फुट लम्बा सांप लेकर अस्पताल में आया और कहा कि इसी सांप ने उसे काटा है लिहाजा उसे 'एंटी वेनम इंजेक्शन' (जहर के प्रभाव से बचाने वाला इंजेक्शन) लगाया जाए। उन्होंने बताया कि दीपक से कहा गया कि वह सांप को अस्पताल के बाहर छोड़कर आये क्योंकि इससे दूसरे

मरीजों को खतरा हो सकता है। उसके नहीं मानने पर पुलिस को बुलाया गया, जिसने सांप को एक डिब्बे में बंद किया। अग्रवाल ने बताया कि उसके बाद दीपक को एंटी वेनम इंजेक्शन दिया गया और वह अपने घर चला गया। हालांकि उन्हें शक था कि सांप दीपक का ही था।

पुलिस चौकी इमारत अति जीर्ण–शीर्ण व जर्जर

गोला गोकर्णनाथ खीरी। थाना नीमगांव की पुलिस चौकी सिकंदराबाद जो कि अति जीर्ण–शीर्ण व जर्जर हो गई है, वह कभी भी भरभरा के गिर सकती है जिससे कभी भी किसी बड़ी घटना होने से इन्कार नही किया जा सकता है। ज्ञात हो कि लगभग पैतिस वर्ष पूर्व यानि वर्ष १९९१ मे तत्कालीन पुलिस अधीक्षक हरिश्चन्द्र व पुलिस क्षेत्राधिकारी राकृंष्ण चतुर्वेदी व थानाध्यक्ष श्रीधर पाठक के द्वारा इसका उद्घाटन किया गया था।लेकिन इसके देखरेख के अभाव व बरसात में इसके अन्दर पानी भरने से ये अति जर्जर होती चली गई। इसमें एक चौकी इंचार्ज का आवास व एक मुख्य आरक्षी निवास के अतिरिक्त आरक्षी बैरग बनी हुई है जो अति जर्जर हालात में है उसमें बरसात के दिनों में बारिश के चलते पुलिस कर्मी इधर उधर बैठ कर फरियाद सुनते हैं। अब लोगो का मानना है कि देश के पहरेदार जो कि एक अस्तबल व घुड़साल का रूप धारण कर चुकी चौकी में रह रहे है यह किसी दुर्भाग्यपूर्ण से कम नही है। प्रवीर गौतम , थानाध्यक्ष नीमगांव ने बताया कि चौकी के जर्जर होने की जानकारी उन्हें है चौकी की जगह का कही दूसरी जगह का ऐलाटमेन्ट है,पैसा आने पर चौकी का निरीक्षण कराया जायेगा। राजेंद्र त्रिवेदी पूर्व प्रधान, लगभग दस बर्षो पूर्व हमारे कार्यकाल मे चौकी की जगह की पैमाइश दूसरे स्थान पर कराई गई थी,लेकिन अभी तक पुलिस चौकी का निर्माण नही हुआ है।

देशभर में लोहड़ी की धूमः राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री योगी ने दी बधाई, खुशहाली और समृद्धि की कामना

लखनऊ/नई दिल्ली। उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड के बीच, आज देशभर में लोहड़ी का पर्व बड़े हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया जा रहा है। लोक परंपराओं से जुड़ा यह शुभ पर्व मौसम के बदलाव का प्रतीक है। मुख्य रूप से उत्तर भारत में मनाया जाने वाला यह त्योहार सर्दियों के अंत और वसंत के आगमन का प्रतीक है। इस शुभ अवसर पर, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, सहित कई अन्य नेताओं ने देशवासियों को लोहड़ी की शुभकामनाएं दीं हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'देश–विदेश में रहने वाले सभी भारतीयों को लोहड़ी, मकर संक्रांति, पोंगल और माघ बिहू की हार्दिक शुभकामनाएं। ये त्योहार भारत की समृद्ध कृषि परंपराओं और राष्ट्रीय एकता के प्रतीक हैं। इस अवसर पर, हम प्रेंति के प्रति भी आभार व्यक्त करते हैं। इन त्योहारों के माध्यम से, हम उन किसानों के प्रति आभार व्यक्त करते हैं जो हमें भोजन प्रदान करते हैं। मेरी शुभकामनाएं हैं कि ये त्योहार सभी के जीवन में खुशियां और समृद्धि लाएं।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोहड़ी, संक्रांति और पोंगल के मौके पर देशवासियों को शुभकामनाएं और बधाई दीं। वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफ र्म **'X'** पर लिखा, 'उत्साह, आनंद और नई ऊर्जा के प्रतीक 'लोहड़ी' के त्योहार की हार्दिक शुभकामनाएं। यह

त्योहार सभी के लिए खुशी और समृद्धि का स्रोत बने।' उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और अन्नदाताओं के परिश्रम को समर्पित पावन पर्व लोहड़ी के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि लोहड़ी का पर्व परिश्रम, ऊर्जा और समृद्धि का प्रतीक है। उन्होंने कामना की कि यह पर्व सभी के जीवन में खुशियां, सकारात्मक ऊर्जा और नई उमंग लेकर आए तथा समाज में आपसी सौहार्द और भाईचारे को और अधिक मजबूत करे। उन्होंने कहा कि ऐसे पारंपरिक पर्व हमारी सांस्कृतिक विरासत को सहेजने के साथ–साथ समाज को एकता के सूत्र में पिरोने का कार्य करते हैं। मुख्यमंत्री ने सभी से पर्व को हर्षोल्लास, शांति और सद्भाव के साथ मनाने की अपील की। अमित शाह ने सभी देशवासियों को लोहड़ी की शुभकामनाएं! दी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, "उत्साह, उमंग व नई ऊर्जा के प्रतीक 'लोहड़ी' पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं। यह पर्व सभी की सुख–समृद्धि का माध्यम बने।" केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, "हर्ष और उल्लास के पावन पर्व लोहड़ी और भोगी की हार्दिक शुभकामानाएं। यह पावन पर्व सभी को खुशहाली, सुख–शांति और सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करे।" कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तथा पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने लोहड़ी के अवसर पर देशवासियों को मंगलवार को बधाई दी और सबके जीवन में खुशहाली की कामना की। खरगे ने अपने बधाई संदेश में कहा, 'लोहड़ी के शुभ अवसर पर सभी को बहुत– बहुत बधाई। आशा है हर्ष और उल्लास का यह त्योहार आपके जीवन में अपार खुशियाँ व समृद्धि लेकर आए।' राहुल गांधी ने कहा, 'आप सभी को लोहड़ी की लख–लख बधाईयां। यह पावन त्योहार सभी के जीवन में ढेर सारी खुशियां, सुख और शांति लेकर आए।' गौरतलब है कि लोहड़ी मूल रूप से सूर्य, अग्नि और प्रेंति की आराधना का पर्व है। अग्नि को साक्षी मानकर लोग पुरानी नकारात्मकताओं को त्यागते हैं और नई शुरुआत का संकल्प लेते हैं। यह पर्व सिखाता है कि जीवन में गर्माहट रिश्तों से आती है, और मिठास साझा करने से बढ़ती है। लोहड़ी सामूहिकता का पर्व है। इसमें जाति, वर्ग और उम्र की दीवारें गिर जाती हैं। नवविवाहित जोड़े, नवजात शिशु वाले परिवारों के लिए यह उत्सव विशेष महत्व रखता है। रेवड़ी, मूंगफली, गजक और पॉपकॉर्न सिर्फ प्रसाद नहीं, बल्कि साझा खुशियों के प्रतीक हैं।

मिर्जापुर में दोहरा हत्याकांडः कलयुगी बेटे ने सौतेली मां और भाई को उतारा मौत के घाट, शव ठिकाने लगाते वक्त पकड़ा गया

मिर्जापुर। मिर्जापुर जिले के मड़िहान इलाके में मंगलवार तड़के एक सनसनीखेज वारदात में एक व्यक्ति ने अपनी सौतेली मां और भाई की धारदार हथियार से प्रहार करके हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने दोनों शवों को ठिकाने लगाने की भी कोशिश की, लेकिन राहगीरों की सतर्कता से मामला उजागर हो गया। पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि मड़िहान बाजार इलाके में राहुल गुप्ता नामक व्यक्ति ने अपनी सौतेली मां ऊषा (५५) और उसके बेटे आयुष गुप्ता (३०) की मंगलवार की सुबह करीब पांच बजे धारदार हथियार से प्रहार करके हत्या कर दी। अपर पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार ने बताया कि सुबह किसी बात को लेकर आपसी कहा–सुनी के दौरान राहुल ने अपने सौतेले भाई आयुष पर चाकू से हमला कर दिया। उसकी मां ऊषा ने जब उसे बचाने की कोशिश की तो राहुल ने उस पर भी चाकू से वार कर दिये। इस घटना में दोनों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि वारदात के बाद आरोपी ने दोनों शवों को ट्रैक्टर–ट्रॉली पर लादकर कहीं ले जाने का प्रयास किया। लेकिन रास्ते में आयुष का शव मड़िहान तिराहे पर गिर गया। जिसकी जानकारी राहुल को नहीं हो सकी। इसके बाद राहुल ने ऊषा का शव पटेवार मड़िहान नहर में फेंक दिया। लौटते समय आरोपी जब सड़क पर गिरे आयुष के शव को चादर से ढकने लगा तो वहां मौजूद दो राहगीरों ने उसे देख लिया और शोर मचा दिया। कुमार ने बताया कि सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने भागने की कोशिश कर रहे राहुल को गिरफ्तार कर लिया और ट्रैक्टर ट्रॉली तथा हत्या में इस्तेमाल किया गया चाकू भी बरामद कर लिया।

पैर खोने वाले गुब्बारा विक्रेता का सहारा बने सत्यराम उर्फ लल्लन भैया

गोला गोकर्णनाथ।१३६ गोला विधानसभा के संभावित उम्मीदवार, जिला सचिव समाजवादी पार्टी एवं पूर्व जिला पंचायत सदस्य सत्यराम वर्मा उर्फ लल्लन भैया गुब्बारा बेचकर जीवन यापन कर रहे बिजुआ ब्लॉक की ग्राम पंचायत नौसर जोगी निवासी विकलांग मोहिउद्दीन अंसारी को ट्राई साइकिल प्रदान करते हुए हर संभव मदद का इरादा जताया है। दर असल मोहिउद्दीन दंपति के कोई बच्चे नहीं हैं। वह गुब्बारा बेचकर अपना जीवन यापन चला रहा था। किंतु कुछ दिनों पहले आई बीमारी के चलते उसकी काफी धनराशि

इलाज में खर्च हो गई।इसके बाद भी उसका पैर सही नहीं हुआ अंततः पैर काटना पड़ा। ऐसी स्थिति में उसकी जिंदगी में संघर्ष व चुनौती और बढ़ गई। उसका इलाज कर रहे डॉक्टर हबीब नें लल्लन भैया से मदद पहुंचाने की अपील की थी। जिस पर उन्होंने ट्राई साइकिल दुकान से खरीद कर साथियों के साथ घर जाकर प्रदान की है। जिस पर दम्पति नें खुशी जाहिर की है। इस मौके पर पूर्व न्याय पंचायत प्रभारी राधेश्याम वर्मा, सेक्टर प्रभारी एवं विधानसभा उपाध्यक्ष बसंत लाल कश्यप, पूर्व प्रधान हरिकृष्ण वर्मा आदि लोग मौजूद रहे।

एसबीएम डिग्री कॉलेज जाने वाला संपर्क मार्ग हुआ जर्जर

कुकरा खीरी।एसबीएम डिग्री कॉलेज एवं रमतलिया दुलारेपुर निपनिया होते हुए गोला रोड में जुड़ने वाला मार्ग हुआ गड्ढों मे हुआ तब्दील। बांकेगंज मुख्यालय के समीप से जाने वाला या मार्ग जो की पूर्ण रूप से जर्जर हो गया है जिस पर दो पहिया चार पहिया एवं राहगीरों का निकलना काफी मुश्किल हो गया है इसी मार्ग पर दुलारेपुर गांव के निकट एसबीएम डिग्री क लेज इसी मार्ग पर स्थित है जहां पर सैकड़ो की संख्या में रोज छात्र–छात्राएं शिक्षा ग्रहण करने के लिए आते हैं लगभग ३

किलोमीटर लंबा यह मार्ग पूर्ण रूप से जर्जर होने के कारण छात्र–छात्राओं को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ता है।एसबीएम डिग्री कॉलेज के प्राचार्य ने बताया कि यह मार्ग जो कि जिला पंचायत के द्वारा बनाया गया था जो की कई वर्षों से जर्जर पड़ा हुआ है' इस मार्ग के जर्जर होने के कारण छात्रों एवं राहगीरों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है वहीं क्षेत्र के ग्रामीण एवं छात्रों ने प्रशासन से इस मार्ग का शीघ्र निर्माण करने की मांग की है।

जडौरा मे आयुष आपके द्वार के तहत निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन।

गोला गोकर्णनाथ खीरी। गांव जड़ौरा में आयुष आपके द्वार के तहत निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान वहां तैनात आयुर्वेद डाक्टर हरि शंकर वर्मा व फार्मासिस्ट अनंग पाल सिह ने बताया कि कुछ दिन पहले आग से दुखी रोहन लाल वर्मा को परिवार को औषधीय भी दी गई। वही कैप के दौरान कुल ५६ मरीज देखें गये व उनका संपूर्ण स्वस्थ परिक्षण भी किया गया। शिविर में सभी गांव वासियों का पूर्ण सहयोग रहा। इसके साथ ही बुखार, खांसी, दमा, अस्थमा, व जोड़ रोग आदि मरीजो को बदलते मौसम से अपने को बचाये रहने की जानकारी भी दी गई।

सोनिया गांधी का मोदी सरकार पर बड़ा हमला, बोलीं– मनरेगा पर बुलडोजर चलाया

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद और पूर्व पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी ने मंगलवार को मोदी सरकार के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (एमएनआरईजीए) को व्यवस्थित रूप से कमजोर करने का आरोप लगाया और योजना में हाल ही में किए गए बदलावों को गरीबों, बेरोजगारों और हाशिए पर रहने वाले लोगों पर सीधा हमला बताया। कांग्रेस पार्टी के 'एमएनआरईजीए बचाओ' अभियान के तहत जारी एक वीडियो संदेश में, गांधी ने याद दिलाया कि रोजगार गारंटी का यह ऐतिहासिक कानून २० साल पहले पूर्व प्रधानमंत्री ड . मनमोहन सिंह के कार्यकाल में संसद द्वारा सर्वसम्मति से पारित किया गया था। सोनिया ने एमएनआरईजीए को एक क्रांतिकारी कदम बताया जिसने ग्रामीण परिवारों को रोजगार का कानूनी अधिकार प्रदान किया, संकटग्रस्त पलायन को कम किया और लाखों गरीब परिवारों को सहायता प्रदान करके ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत किया। गांधी ने आरोप लगाया कि पिछले ११ वर्षों में मोदी सरकार ने गरीबों के हितों की अनदेखी की है और एमएनआरईजीए की भावना को

कमजोर कर दिया है। उन्होंने कहा कि न केवल महात्मा गांधी का नाम कानून से हटा दिया गया, बल्कि योजना को ही ध्वस्त कर दिया गया। विपक्ष से सलाह लिए बिना मनमाने बदलाव किए गए। उन्होंने आगे कहा कि रोजगार आवंटन संबंधी निर्णय अब दिल्ली में लिए जाते हैं, जो जमीनी हकीकतों से बहुत दूर हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि एमएनआरईजीए को कमजोर करना भूमिहीन किसानों, ग्रामीण श्रमिकों और वंचितों पर हमला है, और इस बात पर जोर दिया कि यह कानून कभी भी पार्टी का मुद्दा नहीं था, बल्कि राष्ट्रीय महत्व का मुद्दा है। उन्होंने कहा कि बीस साल पहले, मैंने अपने गरीब भाई–बहनों के रोजगार के अधिकार के लिए लड़ाई लड़ी थी। आज, मैं इस काले कानून के खिलाफ लड़ने के लिए प्रतिबद्ध हूं। यह वीडियो कांग्रेस पार्टी के ४५ दिवसीय राष्ट्रव्यापी ष्एमएनआरईगा बचाओष अभियान की शुरुआत का प्रतीक है, जो १० जनवरी से २५ फरवरी तक चलेगा। इस अभियान में शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन, विधानसभा घेराव, पंचायत स्तर पर जागरूकता अभियान और 'काम की मांग' आंदोलन शामिल होंगे। पार्टी ने यह भी आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार एमएनआरईगा को एक नए ग्रामीण रोजगार ढांचे से बदलने का प्रयास कर रही है, जिससे गारंटीशुदा काम के प्रावधान कमजोर हो जाएंगे।

भारत-जर्मनी संबंधों की नई उड़ान, भारतीय यात्रियों को ट्रांजिट वीजा से मिली बड़ी छूट, बढ़ेगा सहयोग।

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय यात्रा करने वाले भारतीय यात्रियों के लिए एक राहत भरी खबर सामने आई है। मौजूद जानकारी के अनुसार, जर्मनी ने भारतीय पासपोर्ट धारकों को अपने हवाई अड्डों से होकर ट्रांजिट करने पर वीजा–मुक्त सुविधा देने का फैसला किया है। इसका सीधा मतलब यह है कि अब किसी तीसरे देश की यात्रा के दौरान जर्मनी के एयरपोर्ट पर रुकने के लिए अलग से ट्रांजिट वीजा लेने की जरूरत नहीं होगी, जिससे समय, खर्च और कागजी औपचारिकताएं कम होंगी। गौरतलब है कि यह निर्णय भारत–जर्मनी संयुक्त बयान में सामने आया, जो जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज की १२ १३ जनवरी को हुई भारत यात्रा के बाद जारी किया गया। यह उनकी भारत की पहली और एशिया की भी पहली आधिकारिक यात्रा थी। संयुक्त बयान में साफ कहा गया कि इस कदम से न केवल भारतीय नागरिकों की यात्रा आसान होगी, बल्कि दोनों देशों के बीच लोगों से लोगों के रिश्ते और मजबूत होंगे। दोनों पक्षों ने इस बात पर जोर दिया कि भारत और जर्मनी के बीच रणनीतिक साझेदारी का एक अहम आधार लोगों के आपसी संबंध हैं। बता दें कि बातचीत के दौरान छात्रों, शोधकर्ताओं, कुशल पेशेवरों, कलाकारों और पर्यटकों के बढ़ते आदान–प्रदान का भी स्वागत किया गया। साथ ही, जर्मनी की अर्थव्यवस्था, नवाचार और सांस्कृतिक जीवन में भारतीय समुदाय के योगदान को महत्वपूर्ण बताया गया है। शिक्षा और कौशल विकास भी इस संवाद का बड़ा हिस्सा रहा। मौजूद जानकारी के अनुसार जर्मनी में भारतीय छात्रों की संख्या लगातार बढ़ रही है और संयुक्त व ड्यूल डिग्री कार्यक्रमों का विस्तार हो रहा है। भारतीय और जर्मन उच्च शिक्षण संस्थानों के बीच सहयोग को और मजबूत करने, व्यावसायिक प्रशिक्षण तथा

युवाओं के आदान–प्रदान को बढ़ाने पर सहमति बनी। इसके अलावा, भारतीय छात्रों और स्नातकों को जर्मन नौकरी बाजार में बेहतर तरीके से जोड़ने की पहलों का स्वागत किया गया है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों और जर्मन तकनीकी विश्वविद्यालयों के बीच संस्थागत सहयोग को भी आगे बढ़ाने की बात कही गई है। दोनों देशों ने उच्च शिक्षा पर एक व्यापक भारत–जर्मनी रोडमैप बनाने पर सहमति जताई है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई शिक्षा नीति के तहत जर्मनी के प्रमुख विश्वविद्यालयों को भारत में अपने परिसर खोलने का आमंत्रण दिया है, जिससे यह साझेदारी और गहरी होने की उम्मीद जताई जा रही है और भविष्य में इसका सकारात्मक असर दोनों देशों के युवाओं पर दिखेगा।

इसरो के 'वर्कहॉर्स' पीएसएलवी मिशन में फिर गड़बड़ी, लगातार दूसरी विफलता से उठे बड़े सवाल

नई दिल्ली। भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए बीते कुछ महीनों में हालात आसान नहीं रहे हैं। मौजूद जानकारी के अनुसार भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन का भरोसेमंद माना जाने वाला पीएसएलवी रॉकेट लगातार दूसरी बार अपने मिशन को पूरी तरह सफल नहीं कर पाया है, जिससे तकनीकी पारदर्शिता और गुणवत्ता नियंत्रण को लेकर सवाल उठने लगे हैं। गौरतलब है कि १८ मई २०२५ को पीएसएलवी–सी६१ मिशन असफल रहा था, जो वर्षों से "वर्कह र्स" कहे जाने वाले र केट के लिए एक दुर्लभ झटका था। इसके करीब आठ महीने बाद १२ जनवरी को श्रीहरिकोटा से सुबह १०.१७ बजे ल न्च किए गए पीएसएलवी–सी६२ मिशन में भी गड़बड़ी सामने आई। उड़ान के लगभग ५० मिनट बाद इसरो प्रमुख वी. नारायणन ने पुष्टि की कि रॉकेट के तीसरे चरण में असामान्यता दर्ज की गई है और इसके प्रदर्शन का विस्तृत विश्लेषण किया जाएगा। बता दें कि पीएसएलवी चार चरणों वाला रॉकेट है और सी६१ मिशन में इसका एक्सएल संस्करण इस्तेमाल हुआ था। उस मिशन का मुख्य पेलोड ईओएस–०६ उपग्रह था, जिसे हर मौसम में पृथ्वी की निगरानी, आपदा प्रबंधन और रणनीतिक जरूरतों के लिए डिजाइन किया गया था। रॉकेट को करीब ५२६ किलोमीटर की सूर्य–समकालिक ध्रुवीय कक्षा में उपग्रह स्थापित करना था, लेकिन तीसरे चरण के दौरान ईंधन दाब में अचानक गिरावट आने से मिशन को बीच में ही रोकना पड़ा और उपग्रह के साथ रॉकेट समुद्र में गिर गया। मौजूद जानकारी के अनुसार जांच के लिए गठित विफलता विश्लेषण समिति ने संकेत दिया कि समस्या पीएस३ ठोस ईंधन मोटर प्रणाली में हो सकती है। आशंका जताई गई कि

नोजल या केसिंग से जुड़ी संरचनात्मक या सामग्री संबंधी खामी के कारण दाब नियंत्रित नहीं रह सका है। हालांकि, समिति की रिपोर्ट अभी सार्वजनिक नहीं की गई है क्योंकि यह सीधे प्रधानमंत्री कार्यालय को सौंपी गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि रिपोर्ट को गोपनीय रखने के पीछे व्यावसायिक कारण भी हो सकते हैं। गौरतलब है कि इसरो पीएसएलवी को एक व्यावसायिक ल न्च वाहन के रूप में बढ़ावा दे रहा है और ठोस ईंधन वाला तीसरा चरण तकनीकी रूप से परिपक्व माना जाता है। ऐसे में यहां विफलता सामने आना डिजाइन से ज्यादा निर्माण या गुणवत्ता जांच में चूक की ओर इशारा करता है, जिसे खुले तौर पर स्वीकार करना बीमा लागत और बाजार की विश्वसनीयता पर असर डाल सकता है। पीएसएलवी–सी६२ मिशन के संदर्भ में इसरो प्रमुख ने बताया कि तीसरे चरण में रोल रेट डिस्टर्बेंस देखा गया, जिससे रॉकेट की उड़ान दिशा प्रभावित हुई। आसान शब्दों में कहें तो र केट अपने अक्ष पर अनियंत्रित रूप से घूमने लगा, जिससे नेविगेशन सिस्टम भ्रमित हुआ और ऊपरी चरण के छोटे नियंत्रण थ्रस्टर स्थिति संभाल नहीं पाए। कुल मिलाकर, चाहे सटीक तकनीकी कारण कुछ भी रहे हों, लगातार दो मिशनों में तीसरे चरण से जुड़ी समस्याएं यह संकेत देती हैं कि दोनों घटनाएं एक–दूसरे से असंबंधित नहीं हो सकती हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि सी६१ की जांच रिपोर्ट सार्वजनिक न होने से बाहरी तकनीकी समीक्षा का अवसर नहीं मिला, और संभव है कि वापसी से पहले किए गए सुधार पर्याप्त न रहे हों। मौजूदा हालात में सबसे बड़ी चिंता यही है कि एक बड़े असफल मिशन के आठ महीने बाद बिना पूरी पारदर्शिता के अगला प्रक्षेपण किया गया है, जो भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम की विश्वसनीयता और निजीकरण की कोशिशों पर असर डाल सकता है।

मकर संक्रांति पर योगी सरकार का बड़ा फैसला, उत्तर प्रदेश में १५ जनवरी को सार्वजनिक अवकाश का ऐलान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार ने मकर संक्रांति के अवसर पर १५ जनवरी को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है। यह निर्णय एक आधिकारिक अधिसूचना के माध्यम से जारी किया गया है और सभी सरकारी कार्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों और राज्य द्वारा संचालित प्रतिष्ठानों पर लागू होता है। अधिसूचना के अनुसार, सभी राज्य सरकारी विभाग, स्कूल और सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थान बंद रहेंगे। गौरतलब है कि मकर संक्रांति का त्योहार देश भर में १४ जनवरी के बजाय १५ जनवरी को मनाया जा रहा है। मकर संक्रांति के अवसर पर प्रयागराज, कानपुर, वाराणसी, उन्नाव, मेरठ और बिजनौर सहित उत्तर प्रदेश के प्रमुख गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने की संभावना है। तीर्थयात्री गंगा और सरयू जैसी नदियों में स्नान करेंगे और दान देंगे। इसी तरह, ऋषिकेश और हरिद्वार में भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने की उम्मीद है। आपको बता दें कि हिंदू धर्म में मकर संक्रांति का विशेष महत्व है। इस दिन सूर्य देव की उपासना करने से त्रिदेवों की आराधना का फल प्राप्त होता है। मकर संक्रांति पर सूर्य देव धनु राशि को छोड़ते हुए अपने पुत्र शनि की राशि मकर में प्रवेश कर जाते हैं। सूर्य जब मकर राशि में प्रवेश करते हैं, तो इसे मकर संक्रांति कहते हैं। सूर्य देव के मकर राशि में आने के साथ ही खरमास समाप्त हो जाता है और मांगलिक कार्य जैसे विवाह, मुंडन, सगाई, गृह प्रवेश आदि शुरू हो जाते हैं। मकर संक्रांति को भगवान सूर्य दक्षिणायन से उत्तरायण होते हैं। हिंदू पंचांग के अनुसार, इस बार मकर संक्रांति का पर्व १५ जनवरी ध्(रविवार) को मनाया जाएगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार मकर संक्रांति भगवान सूर्य का प्रिय पर्व है।

माघ मेला 2026: संगम तट पर आधुनिक टेंट सिटी, आस्था के साथ पर्यटन और रोजगार को नया आयाम

लखनऊ। मकर संक्रांति सहित अन्य प्रमुख स्नान पर्वों पर प्रयागराज संगम तट पर आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए आधुनिक सुविधाओं से युक्त टेंट सिटी विकसित की गई है। संगम की पुण्य धारा में स्नान के लिए देश–विदेश से श्रद्धालुओं का निरंतर आगमन हो रहा है। इसी क्रम में सुरक्षित, सुविधाजनक और यादगार अनुभव उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम (यूपीएसटीडीसी) ने संगम तट की रेत पर अत्याधुनिक टेंट कॉलोनी बसाई है, जो कल्पवासियों और पर्यटकों के लिए आस्था के साथ–साथ आकर्षण का नया केंद्र बनकर उभरी है। यह जानकारी प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि प्रयागराज के अरैल सेक्टर–७ में त्रिवेणी पुष्प से पहले विकसित इस टेंट कॉलोनी में कुल ५० आधुनिक कॉटेज बनाए गए हैं। इनकी ऑनलाइन बुकिंग यूपीएसटीडीसी की वेबसाइट के माध्यम से की जा सकती है। टेंट कॉलोनी को तीन श्रेणियों में विभाजित किया गया है १५,००० रुपये किराए वाला

प्रीमियम, ११,५०० रुपये का लग्जरी और ७,५०० रुपये का डीलक्स कॉटेज। इनमें १२ प्रीमियम, ८ लग्जरी और ३० डीलक्स टेंट शामिल हैं। सभी श्रेणियों में ठहरने वाले श्रद्धालुओं के लिए शुल्क में ही सात्विक भोजन की समुचित व्यवस्था की गई है। टेंट कॉलोनी परिसर में यज्ञशालाओं का निर्माण किया गया है, जहां निरंतर भजन–कीर्तन हो रहा है। सांस्कृतिक वातावरण को सजीव बनाने के लिए कलाग्राम भी विकसित किया गया है, जहां स्थानीय शिल्प और लोककला को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। पर्यटन मंत्री ने बताया कि माघ मेले के माध्यम से रोजगार और नवाचार को भी विशेष बढ़ावा मिला है। संगम टेंट कॉलोनी में एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) प्रदर्शनी के तहत प्रयागराज की पारंपरिक मूंज कला के स्टॉल लगाए गए हैं, जिससे स्थानीय कारीगरों को रोजगार के अवसर मिल रहे हैं। माघ मेला २०२६ न केवल आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पहचान को सशक्त कर रहा है, बल्कि उद्यमियों और हस्तशिल्पियों के लिए भी एक बड़ा व्यावसायिक मंच बनकर उभरा है। यहां देश–विदेश से आए श्रद्धालु मूंज से बने डलिया, पेन स्टैंड, रोटी रखने के बर्तन, गमले और सजावटी वस्तुओं को खूब पसंद कर रहे हैं। नैनी क्षेत्र के महेवा इलाके की यह पारंपरिक मूंज कला, जिसे चांद जैसी कारीगर वर्षों से आगे बढ़ा रही हैं, अब आधुनिक स्वरूप में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहना पा रही है। जयवीर सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप माघ मेला अब केवल आस्था का आयोजन नहीं रह गया है, बल्कि यह पर्यटन, रोजगार और स्थानीय कला को बढ़ावा देने का सशक्त माध्यम बन चुका है। यूपीएसटीडीसी द्वारा विकसित संगम टेंट कॉलोनी इसका उत्कृष्ट उदाहरण है, जहां श्रद्धालुओं को आधुनिक सुविधाओं के साथ भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक वातावरण का अनुभव मिल रहा है। उन्होंने कहा कि ओडीओपी योजना के तहत मूंज कला जैसे पारंपरिक शिल्प को मंच देकर स्थानीय कारीगरों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए गए हैं। मुख्यमंत्री की सोच है कि प्रदेश का हर आयोजन रोजगार, नवाचार और संस्कृति से जुड़े, और माघ मेला २०२६ इस सोच को साकार करता हुआ दिखाई दे रहा है।

बहन नूपुर सेनन की हल्दी और संगीत रस्म में जमकर नाचीं कृति सेनन

मुम्बई। बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन की बहन नूपुर सेनन की शादी की रस्में शुरू हो चुकी हैं और हल्दी से लेकर संगीत तक के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। अभी तक कृति

ने इंस्टाग्राम पर फोटोज पोस्ट नहीं की हैं, लेकिन शादी में शामिल हुए कुछ लोगों ने तस्वीरों और वीडियो को सोशल मीडिया पर शेयर किया है, जिसमें कृति से लेकर दुल्हन नूपुर सेनन और दूल्हा सिंगर स्टेबिन बेन डांस फ्लोर पर मस्ती करते दिख रहे हैं। झीलों की नगरी उदयपुर में फेयरमोंट पैलेस में नूपुर सेनन और सिंगर स्टेबिन बेन की शादी की रस्मों के वीडियो सामने आए हैं। कुछ वीडियो हल्दी की हैं, जिसमें पीले आउटफिट में हर कोई मस्ती करता दिख रहा है। नूपुर सेनन की हर रस्म में कृति को खूब डांस करते हुए देखा जा रहा है। संगीत के फंक्शन में भी कृति अपने दोस्तों के साथ डांस करती दिख रही हैं। संगीत में दूल्हा–दुल्हन भी साथ में रोमांटिक डांस कर रहे हैं। कृति को बॉलीवुड से लेकर भोजपुरी गानों तक पर डांस करते हुए देखा जा रहा है। वीडियो में कृति की मां भी दोनों बेटियों पर प्यार लुटाती दिख रही हैं। सोशल मीडिया पर हल्दी और संगीत के वीडियो वायरल हो रहे है, और कमेंट सेक्शन में हर कोई दोनों बहनों के प्यार की सराहना कर रहा है। बता दें कि नूपुर सेनन और सिंगर स्टेबिन बेन की शादी ११ जनवरी को संपन्न होगी। इस शादी में ब लीवुड से कम ही लोगों को न्योता दिया गया है और परिवार व करीबी लोगों के बीच ही शादी की रस्में निभाई जा रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो शादी के बाद ग्रैंड रिसेप्शन की भी तैयारी है, जो मुंबई में रखा जाएगा। हालांकि अभी तक रिसेप्शन की तारीख का खुलासा नहीं हुआ है। अभिनेत्री कृति बहन की शादी में अपने कथित ब्वॉयफ्रेंड कबीर बहिया के साथ दिखीं। कबीर और कृति ने अपने रिश्ते पर खुलकर बात नहीं की है, लेकिन वेकेशन से लेकर हर इवेंट पर कृति कबीर के साथ दिखती हैं। हालांकि, पैपराजी को देखते ही दोनों कुछ भी कहने से बचते हैं।

प्रियंका चोपड़ा और निक जोनास ने गोल्डन ग्लोब्स २०२६ पर बिखेरा ग्लैमर

मुम्बई। गोल्डन ग्लोब अव र्ड्स के रेड कार्पेट पर देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा और उनके पति निक जोनास ने अपनी एंट्री से सबका ध्यान अपनी तरफ खींच लिया। इस मौके पर प्रियंका ने अपने स्टाइलिश अंदाज से सबको चौंका दिया। प्रियंका और निक ने रेड कार्पेट पर कदम रखते ही फोटोग्राफर्स और मीडिया के बीच अपने अनोखे अंदाज में पोज दिया। उनकी प्यार भरी झलक ने वहां मौजूद हर किसी का दिल जीत लिया। प्रियंका ने इस मौके पर नेवी ब्लू कलर की ड्रेस पहनी थी, जो फ्रेंच लग्जरी ब्रांड की थी। गाउन के टॉप में खास डिजाइन और स्कर्ट में लेयर्स ने उनके लुक को और शानदार बना दिया। वहीं, निक जोनास क्लासिक ब्लैक सूट में नजर आए ड्रेस की खूबसूरती के साथ प्रियंका ने जूलरी का भी कमाल दिखाया। उन्होंने बुलगारी का डायमंड नेकलेस पहना, जो उनकी ड्रेस के साथ पूरी तरह मेल खा रहा था। इसके अलावा, हाथों में बड़ी डायमंड रिंग और टॉप के डिजाइन ने उनके लुक में और निखार लाया। उनके इस स्टाइलिश अंदाज ने सोशल मीडिया पर भी तहलका मचा दिया और तस्वीरें वायरल हो गईं। इस इवेंट में प्रियंका को प्रेजेंटर के रूप में भी आमंत्रित किया गया था। गोल्डन ग्लोब ने ऑफिशियल 'एक्स' अकाउंट पर इवेंट में शामिल होने वाले सितारों के बारे में जानकारी दी थी। इनमें आयो एडेबिरी, चार्ली, क्रिस पाइन, कोलमैन डोमिंगो, डकोटा फैनिंग, हेली स्टेनफेल्ड, अमांडा सेफ्राइड, मेलिसा मैककार्थी, माइली साइरस, ऑरलैंडो ब्लूम, स्नूप डॉग, वांडा साइक्स, जो कीरी, कीगन–

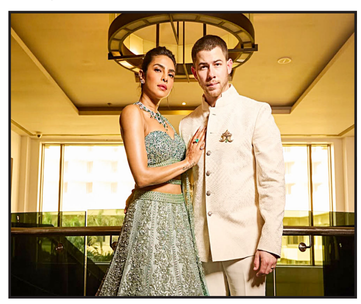

माइकल की, क्वीन लतीफा और जॉन बेटमैन जैसे सितारे शामिल रहे। काम की बात करें तो प्रियंका जल्द ही 'द ब्लफ' फिल्म में नजर आएंगी। यह फिल्म एक एक्शन थ्रिलर है, जिसमें समुद्री लुटेरों की खतरनाक दुनिया दिखाई गई है। इस फिल्म में प्रियंका एर्सेल बॉडन नाम की एक निडर और ताकतवर महिला का किरदार निभा रही हैं, जो कभी 'ब्लडी मैरी' के नाम से जानी जाने वाली एक खूंखार समुद्री डाकू रह चुकी है। यह भूमिका प्रियंका के अब तक के किरदारों से बिल्कुल अलग है, क्योंकि इसमें केवल एक्शन ही नहीं, बल्कि भावनात्मक गहराई भी देखने को मिलेगी। यह फिल्म २५ फरवरी २०२६ को ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी।

हमारे अन्य प्रतिनिधि
संजय बाजपेई
सीतापुर
मो.9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
सुरेश नारायण मिश्र
क्षेत्रीय सम्पादक
सौरभ कुमार, बिहार
मो.09386075289
मो० अरशद
ब्यूरो चीफ
मऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई
UPHIN/2010/32566

सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178
Email-
adbhutsamachar@yahoo.in
adbhut_samachar@rediffmail.com
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक